

# स्वतंत्र वाता

वर्ष-27 अंक : 301 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ. 7 2079 शनिवार, 14 जनवरी 2023

## एफआईआर दर्ज करने में 5 महीने क्यों लगे?

### Festival Sweets

Share the Joy

Sweets  
Specially Made  
for Sankranti Festival

9059222491



**Swiss Castle**  
Pure Veg, Cakes, Pastries, Cookies & Snacks  
..... Spreading Happiness .....

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में साल 2021 में एक कार्यक्रम के दौरान कथित हेट स्पीच मामले में पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञा�न लिया है कि मामले की जांच में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से इस पर जवाब मांग लिया है। बता दें कि घटना दिवांग 2021 की है, जहां दिल्ली में एक धार्मिक सभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन के तहत प्रमुख विशेष कथित तौर पर समुदाय विशेष के विवाह भड़काऊ ब्यानबाजी की गई। बता दें कि हेट स्पीच का यह

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। एक फरवरी को बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री



नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। यह सत्र छह अप्रैल तक चलेगा। सत्र की शुरूआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र से होगी। इस दौरान राष्ट्रपति द्वारा पूर्ण दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। यह उनका संसद के दोनों सदनों को पहला संबोधन होगा। जानकारी के मुताबिक, बजट के पहले दिन दोनों सदनों में इकोनॉमिक सर्वे को पेश किया जाएगा। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री प्रल्लाद जोशी ने बताया कि संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा और सामान्य अवकाश के साथ 66 दिनों में 27 बैठकों के साथ 6 अप्रैल तक चलेगा। अमृत काल के बीच ग्राहपति के अभिभावण पर ध्यानपात्र प्रस्ताव, केंद्रीय बजट और अन्य मुद्रों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने बताया कि बजट सत्र 2023 के दौरान संसदीय स्थायी समितियां अनुदान मांगें की जांच कर सकें और अपने मंत्रालयों और विभागों से संबोधित रिपोर्ट तैयार कर सकें।

— द्वितीय भाग के लिए पेज 14

# बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी से गृह मंत्री अमित शाह ने की मुलाकात, पैर छूकर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी के संसदीय नेता डॉ मुरली मनोहर जोशी से उनके घर पर मुलाकात की है। शाह ने इस मुलाकात की तर्वरी साझा करते हुए ट्वीट किया और कहा, "हमारे विरुद्ध नेता आदरणीय डॉ मुरली मनोहर जोशी से उनके आवास पर भैंसर आशीर्वाद लिया और विभिन्न विषयों पर चर्चा की।" वहीं जोशी ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर शाह के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें



शेयर कीं और कहा, 'गृह मंत्री, भारत सरकार, अमित भाई शाह से आज आवास 6 रायपुरी पर भैंसर

'बता दें कि मुरली मनोहर जोशी बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और वाजेपी सरकार में मंत्री भी

रहे। उन्होंने साल 1996 में बीजेपी की 13 दिनों की सरकार में गृह मंत्री का पद भी संभाला था। वह एनडीए सरकार में भारत के केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री थे। डॉ जोशी महज 10 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। उन्होंने राजनीति में साल 1953-54 में बाल बार कदम रखा था। ये वह कवत था जब गाय बचाओं आदोलन में वह सक्रिय हुए थे। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फिजिक्स के प्रोफेसर भी रह चुके हैं।

## स्कूलों में कोई 'सर' या 'मैडम' नहीं

केवल 'टीचर': केरल राज्य बाल अधिकार संकाय आयोग

तिल्कनंतपुरम, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केरल राज्य बाल अधिकार संकाय आयोग (केएससीपीसीआर) ने राज्य के सभी स्कूलों की निर्देश दिया है कि वे स्कूल के शिक्षकों को उनके लिए किया किए जाना चाहिए। एक टीचर के बजाए 'सर' या 'मैडम' के बजाए रायर टीचर (शिक्षक) के रूप में संबोधित करें। केरल बाल अधिकार आयोग ने यह भी कहा कि सर या टीचर के बजाए रायर टीचर करने से सभी स्कूलों के बच्चों के बीच समन्वय बनाए रखने में मदद मिल सकती है और शिक्षकों के प्रति संबोधित करने के लिए 'सर' या 'मैडम' जैसे मानदण्डों को तुलना में अनुसार, शिक्षकों को उनके लिए के 'टीचर' अधिक लिंग-तटस्थ शब्द है। केएससीपीसीआर के दोस्तों से सर और एक टीचर बच्चों को बुलाने पर विचार करते हुए दिया गया है। एक टीचर बच्चों को बुलाने पर विचार करते हुए निर्देश दिया गया था।



नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में स्टालिन बाल राज्यपाल रविवाद अब बास्थान्ति तक पहुंच गया है। इस बीच राज्यसभा संसद संसद राजत ने शिवसेना के मुख्यपत्र 'सामना' में तंज कसा

है। उन्होंने कहा है कि देश के आधा दर्जन राज्यों में सरकार बनाम राज्यपाल का टकराव बढ़ गया है और यह सभी गैर-भाजपा शासित राज्य है। उन्होंने आगे कहा कि राजभवनों को भाजपा के लोगों ने अपना बार्यालय बना लिया है और वे सरकार पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे हैं। समना में उन्होंने कहा, तमिलनाडु में भी राज्यपाल विद्वन्द सरकार का संबंध छिड़ा हुआ है। जो महाराष्ट्र में चल रहा है, वही दूसरे रूप में तमिलनाडु में ट्रिखांड दे रहा है। फर्क सिर्फ इनमा है कि महाराष्ट्र में राज्यपाल द्वारा छत्रपति शिवाजी का अपमान

## '13 दिन बाद पुलिस हत्या की धाराएं जोड़ने पर कर रही विचार' स्वाति मालीवाल बोलीं- हम पहले ही चीख रहे थे...



नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंजावाला-कांड में हर रोज नई बातें सामने आ रहीं हैं। पुलिस बातें को प्रोफेसर भी रह चुके हैं।

है। अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने एक बार किए जांच पर सवाल उठाए हैं। मालीवाल ने ट्रैवीट करके लिखा, 'अंजलि हत्या के केंद्र 13 दिन बाद अब जाकर दिल्ली पुलिस मामले में हत्या की धाराएं जोड़ने पर विचार कर रही हैं।' उन्होंने पुलिस पर अरोप अंजलि की मौत के मामले में लगाते हुए कहा कि पुरा देश चीख रहा है, दीपक खन्ना, मिथुन, कृष्ण, मनोज मितल जैसे नहीं गई। अंजलि की मां ने भी कहा कि यो निधि को नहीं जानती है। पुलिस का निधि पर भी शक गहराता जा रहा है। मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है।

निधि पर भी गहराता जा रहा है। अंजलि के साथ आखिरी समय पर मौजूद निधि ने बताया कि उसने डिक्टी की हुई थी, जिसमें अंजलि से लड़ाई भी हुई थी। उसकी अंजलि से लड़ाई भी हुई थी। इसके बाद निधि पर भी सवाल उठे हैं कि वार कार से स्कूटी टकराने के बाद पुलिस के पास क्यों नहीं गई। अंजलि की मां ने भी कहा कि यो निधि को नहीं जानती है। पुलिस के समय स्कूटी पुलिसनपुरी के कंजावाला इलाके पर अंजलि के साथ उसकी दोस्त निधि भी थी।

## तमिलनाडु के राज्यपाल सूट-बूट वाले कोश्यारी

### ठाकरे सरकार में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे...बोले रात

है। उन्होंने कहा है कि देश के आधा दर्जन राज्यों में सरकार बनाम राज्यपाल का टकराव बढ़ गया है और यह सभी गैर-भाजपा शासित राज्य है। उन्होंने आगे कहा कि राजभवनों को भाजपा के लोगों ने अपना बार्यालय बना लिया है और वे सरकार पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे हैं। समना में उन्होंने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल से संबंधित छिड़ा हुआ है। राज्यपाल के सामने में आपना बार्यालय बना लिया है और वे सरकार पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे हैं। समना में उन्होंने कहा, तमिलनाडु में भी राज्यपाल विद्वन्द सरकार का संबंध छिड़ा हुआ है। जो महाराष्ट्र में चल रहा है, वही दूसरे रूप में तमिलनाडु में ट्रिखांड दे रहा है। फर्क सिर्फ इनमा है कि महाराष्ट्र में राज्यपाल द्वारा छत्रपति शिवाजी को प्रसंग दिलें किए जाएं। उन्होंने कहा कि राजभवनों की अपार्टमेंटों के लिए बोले कि वे सरकार ने आगे करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के लिए बोले कि वे सरकार ने आगे करते ही अपना बार्यालय बना लिया है।

किए जाने के बाद भी सरकार व भूख्यमंत्री चुप्पी साथे हुए हैं। महाराष्ट्र में 'ठाकरे सरकार' के समय मौजूदा राज्यपाल खूलते तेल में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे। ऑबेंडकर, कर्सनिंदिधि जैसे कठाकरे विद्वन्द अब वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए मुख्यमंत्री अंजलि को जानते हुए उम्मीद है कि ये सफेद हाथी संविधान के बायाकर के लिए बोले कि वे बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है।

राज्यपाल रवि सूट-बूट वाले भगतसिंह कोश्यारी हैं। महाराष्ट्र में 'ठाकरे सरकार' के समय मौजूदा राज्यपाल खूलते तेल में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे। ऑबेंडकर, कर्सनिंदिधि जैसे कठाकरे विद्वन्द अब वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए मुख्यमंत्री अंजलि को जानते हुए उम्मीद है कि ये सफेद हाथी संविधान के बायाकर के लिए बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है।

सफेद हाथी बोलावू होने लगे हैं। समना में रात ने आगे कहा, राज्यपाल संविधान के संरक्षक के पापड़ में आपति करते हैं। वे केंद्र और राज्य के बीच एक कठीन के रूप में आपति जाते हुए मुख्यमंत्री अंजलि को जानते हुए उम्मीद है कि ये सफेद हाथी संविधान के बायाकर के लिए बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है। उन्होंने बोले कि वे लोगों के रूप में आपति जाते हुए संविधान करते ही अपना बार्यालय बना लिया है।

## बड़गाम जिले के मजहामा रुद्देशन पर द्रेन पटी से उत्तीरी समीक्षित

श्रीनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गैर-भाजपा के बड़गाम जिले में मजहामा के पाय द्रेन पटी से उत्तर गई। इससे यात्रियों में हड़कप मच गया। हादसे में फिलहाल किसी भी प्रकार के नुकसान की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह बर्फबांध के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्राथमिक तौर पर किसी प्रकार की ताकनीकी गड़बड़ी भी सकती है। इसके अलावा बर्फबांध के कारण एक जाल जैसे बायाकर द्वारा गैर-भाजपा के लिए बोले कि वे लोगों को रुकावा कर रहे हैं। लेकिन जैसे बोले कि वे लोगों को रुकावा कर रहे हैं, वे हम तलवार से रुकावा कर रहे हैं। उन्होंने बोले कि वे लोगों को रुकावा कर रहे हैं, वे बोले कि वे लोगों को रुकावा कर रहे हैं। उन्होंने बोले कि वे लोगों को रुकावा कर रहे हैं, वे बोले

## केंद्रीय मंत्री ने दी मर्दी चन्ना रेडी को श्रद्धांजलि



हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा नेताओं ने यहां इंदिरा पार्क के रॉक गार्डन में डॉ. एम. चन्ना रेड्डी की जयंती मनाई। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, पूर्व सांसद विवेक वेंकटस्वामी और कॉडा विश्वेश्वर रेड्डी और अन्य ने समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर नेताओं ने चन्ना रेड्डी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, एमपी लक्ष्मण ने याद किया कि चन्ना रेड्डी उन सभी लोगों की मदद करते थे, जो उनकी पार्टी से जुड़े होने के बावजूद उनके निवास पर मदद मांगने आते थे। उन्होंने कहा कि चन्ना रेड्डी ने पुराने शहर में दोगों के दौरान आधी रात तक उनसे बात करके उनकी समस्याओं को हल किया। उन्होंने आगोप लगाया कि तेलंगाना में लोगों की समस्याओं का समाधान करने वाला कोई नहीं है।

कॉडा विश्वेश्वर रेड्डी और विवेक वेंकटस्वामी ने भी बात की।

उधर, कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने गांधी भवन में पूर्व सीएम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में टीपीसीसी के कार्यकरी अध्यक्ष एम. अंजन कुमार यादव, टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निंजन, टी. कुमार राव और चन्ना रेड्डी के पोते शादी अदित्य रेड्डी ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, कांग्रेस नेताओं ने डॉ. चन्ना रेड्डी द्वारा उनके जीवन काल में प्रदान की गई सेवाओं को याद किया। टीपीसीसी के महासचिव मानवता राय, पार्टी नेता आलम भास्कर, कृष्ण कुमार, बाबू राव और पूर्व नगरसेवक अयूब ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

"तेलंगाना-भूमि और लोग-खंड ॥" पर पुस्तक का विमोचन



हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ एम्सीआर एचआरडी संस्थान और सरकार के डीजी व प्रमुख सचिव तेलंगाना सरकार बेन्हुर महेश दत्त एका ने "तेलंगाना-भूमि और लोग, खंड II, शीर्षक से एक पुस्तक जारी की। यह पुस्तक तेलंगाना सरकार के पूर्व सलाहकार डॉ. एके गोयल, (सेवानिवृत्त), प्रोफेसर रेखा पांडे, पूर्व प्रमुख, इतिहास विभाग और महिला अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, डॉ. रावलापति माधवी, एसोसिएट प्रोफेसर ला, प्रमुख, डा एम्सीआर संस्थान लोक प्रशासन केंद्र, डॉ. जरीना परवीन, निदेशक, तेलंगाना राज्य अभिलेखागार और अनुसंधान केंद्र द्वारा लिखी गई है। इस अवसर पर बेन्हुर एका, ने कहा कि डॉ. एम्सीआर एचआरडी संस्थान केवल प्रशिक्षण प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है। "संस्थान तेलंगाना के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान करने और पुस्तकों को प्रकाशित संस्थान तेलंगाना राज्य के कर्मचारियों के लिए तेलंगाना अभिविन्यास पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। डॉ. रावलापति माधवी ने कहा कि भल ही शासक 1323 सीई से 1724 सीई के दौरान मुस्लिम थे, उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के व्यक्तिगत कानूनों को समान सम्मान दिया और न्याय प्रशासन उनकी भावनाओं के अनुसार था।

## एक शाम श्री खेतारामजी महाराज के नाम प्रवचन सम्पन्न



हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डी.वी.कॉलनी तेरापंथ भवन स्थित बांकलिया राजपुरोहित परिवार द्वारा आयोजित एक शाम श्री खेतारामजी महाराज के नाम गादीपति श्री ब्रह्म सावित्री सिद्ध पीठाधीश्वर खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा के गुरुवर श्री तुलसारामजी महाराज के सान्निध्य में श्री खेतारामजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने बताया कि दाता श्री तुलसारामजी महाराज के नगरागमन पर दर्शन, प्रवचन, भजनों व महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सायं 6.15 बजे से राजेश शर्मा की मधुर आवाज में श्री खेतारामजी महाराज के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये गये। तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलन के पश्चात् रात्रि 8.15 बजे गुरुवर श्री तुलसारामजी महाराज के मुखरबिंद से प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रवचन के दैरान समाज बन्धुओं को एकता व संस्कारों से रहने की हिदायत देते हुए बताया कि समाज बन्धुओं व भक्तों को कर्म भूमि के साथ अपनी जन्मभूमि को भी नहीं भूलना चाहिए। अवसर पर कार्यक्रम आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल (अध्यक्ष श्री खेतेश्वर गौशाला निम्बोल, उपाध्यक्ष श्री आत्मधाम सेवा समिति बाडवा) को राजपुरोहित पंचायत भवन संस्थान पुष्कर का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर पुष्प-माला पहनाकर शुभकामनाएँ दी। पधरे भक्तों व महिलाओं ने गुरुवर से आर्शीवाद प्राप्त करते हुए आयोजकों द्वारा की गयी महाप्रसादी की विशेष व्यवस्था का सपरिवार लाभ लिया। विशेष प्रवचन पर भजन कार्यक्रम में समाज के गणमान्य हरिसिंह, तेजसिंह सेवड, शंकरसिंह ढोनडी ढाणी, अशोकसिंह राजगुरु, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, प्रेमसिंह देसलसर, बाबुसिंह (बीबीसी) महिलावासा, लक्ष्मणसिंह भैसाणा, शम्भुसिंह, विजयसिंह, मांगूसिंह, चैनसिंह राजपुरोहित, श्रवणकुमार प्रजापत, नेमीचन्द लखारा, तेलांगाना ज्वेलसे एंड पान ब्रोकर्स एसोशिएशन अध्यक्ष पारसमल रंका, जगदीश वर्मा, सतपाल ढाढिया, व बहुत से समाज बन्धु, भक्तगण कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स के रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, पारससिंह, भगवानसिंह, हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पियुषसिंह, विरेन्द्रसिंह, गोरु, हर्ष, बिरबलसिंह बांकलिया राजपुरोहित (निम्बोल) व कार्यक्रम व्यवस्था में नारायणसिंह राजपुरोहित निमाज, परबत सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने गुरुवरश्री के चरणों में श्रीफल व पुष्प-माला भेट की। मंच का संचालन सोहनसिंह राजपुरोहित ने किया। गजेन्द्रसिंह बांकलिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## थैलेसीमियामुक्त महबूबनगर के लिए टीएससीएस का प्रशिक्षण कार्यक्रम



हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया एंड सिक्कल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने एक पंजीकृत गैर-लाभकारी संगठन के रूप में महबूबनगर में चिकित्सा अधिकारियों, एनएम एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। जिला परिषद हाल में टीएससीएस के कार्यक्रम में मंत्री श्रीनिवास गौड और एस वेंकट राव की उपस्थित गैरवनीय है। तेलंगाना सरकार थैलेसीमिया के उन्मूलन के लिए भरपूर समर्थन कर रही है। मंत्री श्रीनिवास गौड ने भी इस घातक बीमारी के उन्मूलन में हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। टीएससीएस

महबूबनगर जल बंधनिक संस्था अधिकारियों, एनएमए, आगंवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए अपनी तरह की पहली पहल के रूप में गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच परियोजना शुरू की जा रही है। इससे आयोजक शीघ्र भविष्य में थैलेसीमिया मुक्त महबूबनगर की उम्मीद कर रहे हैं।

## रिश्वत लेने के आरोप में अंबरपेट सीउ सुधाकर गिरफ्तार



सुधाकर को गिरफ्तार किया। उन्हे जमीन विवाद में गिरफ्तार किया गया। वनस्थलीपुरम पुलिस ने एनआरआई के साथ धोखाधड़ी करने की शिकायत पर सीआई सुधाकर के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। आरोप है कि सीआई सुधाकर ने महेश्वरम में जमीन देने के एवज में 54 लाख रुपये रिश्वत के रूप में वसूले हैं। ऐसा लगता है कि एनआरआई ने चार दिन से भी कम समय पहले वनस्थलीपुरम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस ने गहन जांच के बाद सीआई को गिरफ्तार कर लिया था। उसे रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है। पता चला है कि सीआई ने एनआरआई पर दबाव बनाया कि अगर वह उसके बताए स्थान पर जमीन खरीदेगा तो भविष्य में उसकी कीमत बढ़ जाएगी। यह पता चला कि एक नकली एमआरओ को मैदान में उतारा गया और एनआरआई को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की गई कि वह जल्द ही आरडीओ बन जाएगा। एनआरआई ने अपनी शिकायत में कहा है कि 54 लाख रुपये लेने के बाद सीआई सुधाकर व अन्य लोगों ने जमीन नहीं देने और रुपये नहीं लौटाकर प्रताड़ित किया। इसके चलते इस बारे में आगे की जांच जारी है।

## सीएम केसीआर से मिले ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री



हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग ने शुक्रवार को यहां प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। शिष्टाचार मुलाकात में गिरिधर गमांग के पुरुष शिशर गमांग सहित अच्छे मौजूद थे। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने कथित तौर पर देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति और आने वाले दिनों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की कार्य योजना के बारे में चर्चा की।

## एसीबी के जाल में बहादुरपुरा एसआई



पॉज़िटिव पे  
सिस्टम के लिए  
पंजीकरण कराएं  
उच्च मूल्य के चेक की  
धोखाधड़ी से बचें ।



- चेक की धोखाधड़ी से बचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम
- यह सुविधा ₹50,000/- और उससे अधिक राशि के चेक



अधिक जानकारी के लिए,  
<https://rbikehtahai.rbi.org.in/positivepay> पर जा



# रक्ता मंत्री राजनाथ सिंह का दावा

## 2047 में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे हम



लखनऊ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। रक्ता मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत आज दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्था बाले देशों में खड़ा है, जिस तरह से पांच मोदी कार्य कर रहे हैं, साल 2047 तक देश अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया के टॉप 3 देशों में शुमार होग। आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत जब बहुत है तो दुनिया कान लगाकर सुनता है। यूक्रेन रूस युद्ध में भारतीय छात्रों का निकालने के लिये पैसम ने कुछ देर के लिये तो युद्ध भी रुकवा दिया था। हरिश्चंद्र वंशीय समाज-

### केशव प्रसाद के अखिलेश-डिप्पल खालीसा आरोप पर शिवपाल का जवाब मेरा नाम ही काफी है



इटावा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव अपनी विधानसभा जसवंतनगर पहुंचे थे। एक होल बाल शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात की। शिवपाल से केशव प्रसाद मौर्य के बयान, “शिवपाल यादव पार्टी में पद पाने के लिए अखिलेश-डिप्पल के नाम का चालीसा

पढ़ते हैं।” पर सवाल पूछे गए। केशव के इस बाल पर शिवपाल बोले, “मुझे किसी पद की जरूरत नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश में ऐसा कौन सा व्यक्ति है, जो मुझे जानता नहीं है। मेरा बस नाम की काफी है। जय प्रकाश और डॉक्टर लोहिया का भी कोई पद नहीं था, हम तो उनकी परेपरा को निभा रहे हैं।”

### ‘मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है’ शरद यादव के निधन पर राहुल गांधी ने व्यक्त की संवेदनाएं



गया था। बयान में कहा गया- स्वास्थ्य जांच के दौरान, उनकी नार्दी नहीं चल रही थी या रक्तचाप दर्ज नहीं किया गया। उपचार की आवश्यकता नहीं थी। 75 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। लेकिन उनका बोला दिया गया।

किडनी की बीमारी से ही पीड़ित

वहीं शरद यादव के सहयोगियों ने कहा कि वह युग्मार की शाम अपने छतरपुर आवास पर बैठे हो गए। उन्हें युग्मार के फोर्टिस अस्पताल के एक बाल विहार में कहा गया है कि बदमाश की बीमारी से ही पीड़ित थे।

### 10 साल के लड़के ने 7 साल की बच्ची का किया रेप

विजौर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के विजौर जिले से एक चाँकाने वाली घटना समाने आई है। यहां 10 साल के एक लड़के ने सात साल की एक बच्ची के साथ कथित तौर पर दुर्कर्म किया है। धमपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) माधो सिंह विट ने कहा कि, लड़के को हिरासत में ले लिया गया है और उसने अपना जुम्ब

कबूल कर लिया है। हमने एक प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें लड़के पर बलात्कार और यौनीयों अधिकारीय तात्पुरता का आरोप लगाया गया है। वहीं लड़के को जिला किशोर बोर्ड के सामने पेश किया गया और बाल सुधार गृह भैंस दिया गया। वहीं लड़के के पिता ने कहा कि वह बढ़ने नहीं जाती है और घटना के बात घर के पास में खेत से गेन्डे की

पत्ती लेने गई थी। जब बच्ची वापस आई तो उन्होंने उसे डरा हुआ और रोते हुए पाया।

इसके बाद पैदिता ने माता-पिता को आपवानी सुनाई। वहीं थाना प्रभारी ने बयान कि परिवार ने तुरत पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने आगे कहा कि लड़की के मॉडिकल टेस्ट में रेप की पुष्टि हुई है।

पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पैदिता के बहुसंख्यक वर्ग की आस्था पर चोट करने वाले बायान पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुप्पी तोड़ी चाहिए और शिक्षा मंत्री के पद से तुरत बर्खास्त करना चाहिए।

चंद्रशेखर पर चले सज्जोड़ का मुकदमा- सुशील मोदी

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर ऐसे बयान देकर समाज में धूम पैदा कर रहे हैं।

उनके खिलाफ राजदोल का मुकदमा

किया जाना चाहिए। सुशील मोदी ने कहा कि यहीं बाल प्रसाद के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया होता तो नीतीश कुमार करते रहे।

सुशील मोदी की बाबू वंशीय समाज-

के लिए दिया गया ह



# दिल्ली सरकार घिरी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहां तो सोचे थे कि सीएम बन कर दिल्ली पर राज करूँगा लेकिन हो रहा है उलटा। वहां जो भी निर्णय लेते हैं उसी में फसते दिखाई देने लगते हैं। उन पर जो अनियमितता का आरोप लगता है वह थमने का नाम ही नहीं लेता। ताजा मामला है सच्चना एवं प्रचार निदेशालय यानी डीआईपी का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजना। नोटिस में आदेश दिया गया है कि वे दस दिनों के भीतर सरकारी खजाने में वह एक सौ चौंसठ करोड़ रुपए जमा कराएं, जिसका दुरुपयोग कर उन्होंने चुनाव में अपना व पार्टी का प्रचार किया था। यह नोटिस उन्हें आम आदमी पार्टी का संयोजक होने के नाते भेजा गया है। डीआईपी का आरोप है कि पांच साल पहले दिल्ली सरकार ने सरकारी धन का दुरुपयोग कर दूसरे राज्यों में भी पार्टी का विज्ञापन किया था। इस नोटिस के बाद आम आदमी पार्टी भाजपा पर आगबबूला हो रही है। मोर्चा संभाला है दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने। मनीष सिसोदिया ने प्रेस वार्ता करके गुस्सा जाहिर किया कि केंद्र सरकार अफसरों का असंवैधानिक इस्तेमाल करते हुए दिल्ली सरकार के खिलाफ घड़यंत्र कर कर्तव्याई के लिए उकसा रही है। उन्होंने पूछा है कि आरोप के पक्ष में डीआईपी के पास आखिर क्या सबूत हैं? उन्होंने यह भी सवाल किया है कि दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री रोज अपनी सरकारों की उपलब्धियों के विज्ञापन दिल्ली के अखबारों में छपवाते हैं, पूरे देश में बहुत सारी जगहों पर उनके विज्ञापन-पट्ट लगते हैं। तो क्या इसके लिए भाजपा से रकम वसूली जाएगी? कुछ भी हो लेकिन प्रचार-प्रसार पर अनावश्यक खर्च को लेकर पहली बार वैधानिक ढंग से आम आदमी पार्टी पर कर्तव्याई करने का प्रयास किया गया है, जबकि भाजपा के नेता बहुत पहले से दिल्ली सरकार के विज्ञापनों पर खर्च को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। नियमानुसार विज्ञापनों पर खर्च करने के लिए हर सरकार के पास निर्धारित बजट होता है। लेकिन विज्ञापनों के स्वरूप को लेकर भी नियम-कायदे बने हुए हैं। लेकिन यह बात तो सभी जानते हैं कि हर सरकार उन नियम-कायदों को तोड़-मरोड़ कर सरकारी विज्ञापनों का इस्तेमाल अपनी पार्टी के प्रचार-प्रसार के तौर पर करती रहती है। प्रयास करती है। यही नहीं, उन विज्ञापनों के जरिए लेन-देन को चरितार्थ करते हुए संचार प्रांगणों ने भी उपलब्ध और स्थित रूप से अपने पक्ष में जारी कर रहा है।

मकर संक्रांति का महत्व हिंदू धर्म में बहुत है। मान्यता के अनुसार इसी दिन के बाद से शुभ कार्यों की शुरुआत लोग करते हैं। दही-चूड़ा खाकर। मकर संक्रांति का महत्व हिंदू धर्म में बहुत है। मान्यता के अनुसार इसी दिन के बाद से शुभ कार्यों की शुरुआत लोग करते हैं। दही-चूड़ा खाकर। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से 14 जनवरी को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास में इस अवसर पर दही-चूड़ा के भोज का आयोजन किया गया है। हालांकि, लालू प्रसाद जब पटना में होते थे तब इस भोज की रैनक कुछ और होती थी। इस बार उनके बेटे और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से इस भोज की रैनक होने वाली है। राजद कार्यकर्ताओं और तेजस्वी के शुभचिंतकों को इंतजार है कि नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को कब मुख्यमंत्री पद की बांगड़ेर सौंपते हैं। अजीब बात यह कि राजद की ओर से राबड़ी देवी के आवास पर दही-चूड़ा का भोज 14 जनवरी को है और इसी दिन जेडीयू संसदीय दल के नेता उपेन्द्र कुशवाहा के आवास पर जेडीयू की ओर से दही-चूड़ा भोज का आयोजन रख दिया गया है। यह खिंचाव जैसी स्थिति के स्पष्ट संकेत है। वैसे बिहार की सियासत कब क्या हो जाए, कहा नहीं जा सकता। दोस्त कब दुश्मन बन जाए, ये भी कहना मुश्किल है। कल तक शांत दिखने वाले बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह फिर से तेवर में आ गए हैं। या यूं कहे पापा जगदानंद सिंह ने जिस तरह 60 दिन के बाद कमबैक किया है, शायद उसी के चलते सुधाकर सिंह भी पुराने तेवर में आ गए और सीएम नीतीश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अगर ऐसा नहीं होता तो इतने दिनों तक शांत रहने वाले आरजेडी विधायक सुधाकर सिंह अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा नहीं खोलते। अब सवाल उठता है कि मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शांत रहने वाले सुधाकर सिंह को पावर कहां से मिल रहा है? क्या पापा जगदानंद सिंह बैक से पावर दे रहे हैं? क्या पार्टी ने भी मौन सहमति दे दी है या लालू यादव की रणनीति के तहत ही सुधाकर सिंह महागठबंधन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सुधाकर सिंह ने कहा कि बिहार में कृषि रोड मैप दो में 10 साल पहले कृषि विपणन के लिए कानून होना चाहिए, लेकिन अब तक उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कहा कि 13 दिसंबर से शुरू हो रहे बिहार विधानसभा के शोतकालीन सत्र में मंडी कानून को लेकर प्राइवेट मेंबर बिल लाएंगे। सुधाकर सिंह ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा विधानसभा को इसकी लिखित जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि 2006 में कृषि मंडी कानून समाप्त करने के बाद मूल्य स्तर और उत्पादन स्तर पर राज्य के किसानों को गहू और धान में करीब 90 हजार करोड़ रुपये जबकि सभी फसलों को मिला लें तो करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। किसानों की इस स्थिति के लिए मुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए सुधाकर सिंह ने कहा कि कई संस्थाएं यह कह चुकी हैं कि मंडी कानून होना चाहिए जिससे किसानों को फसल का न्यूनतम मूल्य मिल सके। उन्होंने प्राइवेट मेंबर बिल के संबंध में पूछे जाने पर कहा कि यह बिहार की 80 फीसदी आबादी को प्रभावित करना वाला बिल है। खाद्यान्न के रूप में देखें तो 100 फीसदी आबादी को प्रभावित करने वाला है। ऐसे मुदे को लेकर सदन में सहमति बन जाएगी,

इसकी मुझे परी उम्मीद है। मुझे विश्वास है कि कोई भी किसानों के खिलाफ नहीं जाना चाहेगा। उन्होंने दावे के साथ कहा कि मुख्यमंत्री भी इसके साथ होंगे क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता तो कृषि रोड मैप में किसानों को कृषि विपणन की जरूरत की बात नहीं लिखी होती। हालांकि सुधाकर सिंह को तेजस्वी यादव दोबारा चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन ये भाजपा के हाथों में न खलने वाले अंदाज में ही दी जा रही चेतावनी है जेडीयू की तरफ से सवाल उठाया जा रहा है कि चेतावनी देना तो ठीक है, लेकिन नीतीश कुमार को शिखंडी कह देने वाले सुधाकर सिंह के खिलाफ एक्शन कब तक होगा? एक तरह से जेडीयू के सीनियर नेता उपेंद्र कुशवाहा ने आरजेडी नेतृत्व को अल्टीमेटम देने की भी कोशिश की है। लहजा थोड़ा नरम जरूर देखा गया है। उपेंद्र कुशवाहा का कहना है कि 14 जनवरी तक सुधाकर सिंह के खिलाफ कोई न कोई एक्शन जरूर होगा। नीतीश कुमार की लड़ाई लड़ने के साथ साथ उपेंद्र कुशवाहा अपनी राजनीतिक जमीन भी मजबूत करने की कोशिश में है, लेकिन कुछ भाजपा नेताओं से उनके संपर्क को लेकर बिहार की राजनीति तरह तरह की बातें भी चल रही हैं। ऐसी चर्चा भी चल पड़ी है कि उपेंद्र कुशवाहा फिर से भाजपा के साथ एनडीए में जा सकते हैं। वैसे भी कुछ दिनों से ये देखने को मिला है कि एनडीए में नीतीश कुमार और उपेंद्र कुशवाहा में से कोई एक ही रहता है। एक तरफ उपेंद्र कुशवाहा को बिहार में डिप्टी सीएम बनाये जाने की भी चर्चा चल रही है, और दूसरी तरफ उनका चूड़ा-दही भोज भी हॉट टॉपिक बना हुआ है। रही बात सुधाकर सिंह जैसे नेताओं के खिलाफ एक्शन लेने की तो, सुना है कि फैसला आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव

वाले हैं। लालू यादव के लौटने का क्रम तो मार्च, 2023 तक है, लेकिन सबको पता है कि वो जहां भी रहते वीस घंटे बिहार की राजनीति पर न नजर रहती ही है। रंगी से लेकर तक - और अभी सिंगापुर से डी का हार फैसले की मंजूरी लालू से लेनी ही पड़ती है लेकिन ऐसा नहीं है कि सुधाकर सिंह बगैर यादव और तेजस्वी यादव से शहनीतीश कुमार पर हमलावर बने जाहिर हैं नीतीश कुमार तो ये सब ही रहे होंगे, लिहाजा अपनी तरफ भी कोई कसर बाकी नहीं रख रहे भी तो ऐसा लगता है जैसे नीतीश और लालू यादव कोई फ्रेंडली मैच रहे हों। ये फ्रेंडली मैच भाजपा को इतने रखने के लिए भी हो सकता है एक दूसरे के खिलाफ वास्तव में को पीछे चल रही लड़ाई भी हो सकती है। नीतीश कुमार की समाधान की शुरुआत और शुरुआती दौर के नैपैप तो ऐसे ही इशारे कर रहे हैं जैसे ने पर भाजपा नहीं बल्कि ठर्टबंधन में प्रमुख पार्टनर राष्ट्रीय दल ही हो कम से कम नीतीश की मुस्लिम वोटर पर नजर तो ही इशारा कर रहा है। समाधान यात्रा नकलने से पहले नीतीश कुमार की अम समाज के बुद्धिजीवियों के साथ मंत्री आवास पर बंद करमे में हुई कात काफी चर्चित रही। तब ऐसा था कि भाजपा के साथ रह कर अम वोटर की नजर में धूमिल हुई छवि को बदलने की कोशिश हो रही है। नीतीश कुमार ने असदुद्दीन जी जैसे नेताओं से बचने की सलाह इसलिए मुस्लिम नेताओं से उनकी कात को अगले आम चुनाव की रूपों का हिस्सा समझा गया। तब

-अशोक भाटिया

# देशी नाचो-नाचो को अवार्ड, थिरक उठा भारत



३८८

भारत के लिए ए गौर र व शा ली पल है। इस गरि मा म यी उपलब्धि से भारत के कला प्रेमी थिरके उठें हैं। थिरके त ही थिरकने पर ऐसे नाचे दिया। फ़िल्म गाने नाटू-नाटू नाचो को बेस्ट ना के लिए एंजेलिस में गोल्डन ग्लोब लिए नवाजा लोब अवार्ड्स स्कार के बाद अंजन जगत का ड माना जाता थिध भारतीय की स्वर्णिम एक माँनी जा नरेंद्र मोदी के ग्रय सिनेमा के क ध्न है। तकार एमएम वार्ड लेने के दांदाज में कहा पीछे पूरी टीम में डायरेक्टर, योगाफर प्रेम चंद्रबोस और उन्होंने भैरव देया।' इस गाने के राष्ट्रपति कलाकार होने जेलेन्स्की ने शूटिंग के लिए थी। फ़िल्म में जूनियर रामचरण ने राज के समय नंत्रता सेनानी और अल्लुरी शर्मिजा टिप्पर्नी

देने वाला ही नहीं भारत को अवार्ड दिला देने वाला भी रहा है। फ़िल्म आरआरआर स्वतंत्रता अंदोलन से जुड़ी हुई है। इसलिए राष्ट्रीय भावनाएँ भी उफान मारती दिखाई देती है। फ़िल्म आरआरआर भी लगान की तरह अंग्रेजों के द्वारा भारतीयों से दोयम दर्जे के व्यवहार को प्रदर्शित करतीं फ़िल्म है। दक्षिण भारत का भी अपना स्वतंत्रताकालीन इतिहास रहा है। इस फ़िल्म में अंग्रेजों के भारतीयों पर किये जुल्म और ज्यादतियों को बखूबी प्रदर्शित किया। दक्षिण भारतीय फ़िल्मों ने विगत कुछ बरसों में दक्षिण के दर्शकों को नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत और दुनियाँ के दर्शकों को आकर्षित किया है। फ़िल्में सिर्फ़ मनोरंजन का माध्यम ही नहीं होती है। फ़िल्मों के माध्यम से जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार भी होता है। फ़िल्में समाज में होते अन्याय, जुल्म ज्यादतियों के विरुद्ध एक नवीन चेतना का निर्माण करती है। दक्षिण भारतीय फ़िल्मों का बढ़ता आकर्षण इन्ही मानवीय भावनाओं के प्रगटीकरण के परिणामस्वरूप ही निर्मित हुआ है। जिसे वैश्विक स्तर पर सराहना के साथ अवार्ड भी मिल रहा है। आरआरआर ने ग्लोबल लेवल पर 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। नाटू-नाटू याने नाचो-नाचो बेस्ट ऑरिजनल सॉन्ग मोशन पिक्चर की कैटगरी में गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले इस अवार्ड से भारत का गौरव बड़ा है। फ़िल्म का यह गाना आस्कर फ़िल्म अवार्ड की दौड़ में भी शामिल है। भारतीय फ़िल्म जगत के इस गौरव पूर्ण धारा से पापा शाह और नानिन है। फ़िल्म के को सुनकर उम्मीद मयूर सा नाच न संगीत की परियां पाया गीतम, व त्रयम संगीत गायन, बादन ब कलाओं के संगीत की पूर्ण भारत में दक्षिण दक्षिण भारत संगीत शेष लोकप्रिय रहा सारी सभ्यताओं बड़ा महत्व नृत्य, बादन इंश्वर की आ भारत के देशी अंतर राष्ट्रीय मिलना भारतीय फ़िल्मी जगत बात है। भारत मनोरंजन ज उत्कृष्टता प्रदर्श अंतर राष्ट्रीय ख्याति और फहराने में विअपनी अहम सकता है। ड राजामौली आरआरआर ने को दिलाया है पर सारा भारत यह थिरकन रहना चाहिए। आस्कर तक चाहिए। भारत जगत को संगीत कला में अश्लीलता वे गैरजरूरी मौलिं विचार करना यह पवित्र मनोरंजन के सभी समावेश है आध्यात्मिक लोगों में भारत भाव ऐसे बनते हैं

**राज कुमार सिंह**

नाचो-नाचो गाने और देखकर मन उठता है। भारतीय भाषा को जाना तो बादयम तथा नृत्य मुच्यते अर्थात् एवं नृत्य इन तीनों समार्वश को ही रंता माना गया है। ग भारतीय संगीत में तो हिंदुस्तानी हिंदुस्तान में है। भारतवर्ष में तीनों में संगीत का रहा है। साधक और गायन से ही राधना करते हैं। गीत और नृत्य को मंच पर सम्मान देय संगीत और के लिए गौरव की वीथी सिनेमा और गत को अपनी शंकर करना होगी। मंच पर भारत की कीर्ति पताका कलमी जगत भी भूमिका निभा गयरेकटर एसएस की फ़िल्म यह गौरव भारत देशी नाचो-नाचो न थिरक रहा है। निरन्तर चलती गोल्डन ग्लोब से चलती रहना के सम्पूर्ण फ़िल्मी गत की इस महान फ़ूहड़पन और क समावेश की जूदी पर भी होगा। संगीत की परम्परा जिसमें साथ अध्यात्म का। संगीत की यहीं शक्ति विश्व के के प्रति जुड़ने का

राज्यपालों की भूमिका पर विवाद नये नहीं है, पर तमिलनाडु में जो कुछ हो रहा है, वह अवांछित है। विहार के मूल निवासी और केरल कॉडर के आईपीएस अधिकारी रहे रविंद्र नारायण रवि तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में जिन विवादों का कारण बन रहे हैं, उनसे किसी सकारात्मक परिणाम की उमीद तो नहीं। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल के पद की परिकल्पना राज्य में राष्ट्रपति के प्रतिनिधि और संविधान के संरक्षक के रूप में की थी, लेकिन उनसे जुड़े विवादों की बढ़ती संख्या अब इस पद की प्रासंगिकता पर ही प्रश्न चिन्ह लगा रही है। इस संवैधानिक पद की गरिमा के क्षण के लिए, स्वाभाविक ही राजनीति में मूल्यों का पतन जिम्मेदार है, जिसके चलते राजभवन चुनाव पराजितों या बुरुज़ राजनेताओं के पुनर्वास केंद्र बनते जा रहे हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ दल द्वारा इस पद पर अपने ही दल के नेताओं या चहते

नैकरशाहों की नियुक्ति की जाती है। इसलिए उसे प्रसन्न करने के लिए कई बार वे किसी भी हद तक चले जाते हैं। लंबे समय तक हमने पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव देखा तो केरल भी बीच-बीच में सुरिखियों में रहा। केंद्रशासित क्षेत्र दिल्ली में तो सरकार और उप राज्यपाल के बीच टकराव स्थायी भाव ही बन चुका है। यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि इसके मूल में राजनीति ही है, क्योंकि केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ दलों के राजनीतिक हित न सिर्फ़ भिन्न हैं, बल्कि परस्पर विरोधी भी हैं। फिर

कुछ नहीं था। राज्य सरकार की माने तो धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण की चर्चा ही थी। अगर तमिल संस्कृति और परंपरा का गुणगान था तो उस पर भी आपत्ति क्यों होनी चाहिए? तमिलनाडु भारत का हिस्सा है और उसकी संस्कृति -परंपरा देश के लिए भी गौरव का विषय होनी चाहिए। द्रविड़ विचारधारा और आंदोलन के उल्लेख भी बचने का क्या औचित्य है? राज्यपाल द्वारा पूरा अभिभाषण न पढ़े। जाने पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विधानसभा में प्रस्ताव रखा कि मूल भाषण को ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए। आश्चर्य नहीं कि वह प्रस्ताव स्वीकृत भी हो गया। उसके विरोध में सदन का बहिष्कार कर राज्यपाल ने क्या संदेश दिया? तमिलनाडु के मतदाताओं ने जनादेश दे कर द्रमुक को सत्ता सौंपी है, जबकि राज्यपाल वहां राष्ट्रपति के प्रतिनिधि और संविधान के संरक्षक हैं। अगर दोनों संविधान में उल्लेखित दायरे में अपनी भूमिकाओं का निर्वाह करें तो किसी टकराव की गुंजाइश ही नहीं। रवि की कथनी-करनी से उठा दूसरा विवाद तो और भी अवांछित है। प्रमुख तमिल त्योहार पोंगल के अवसर पर राजभवन में परंपरागत रूप से आयोजित होनेवाले कार्यक्रम के लिए भेजे निमंत्रण पत्र पर उन्होंने स्वयं के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल के बजाय न सिर्फ़ तमिलग्ना आलुनार या तमिलग्नम के राज्यपाल शब्द का उपयोग किया है, बल्कि प्रतीक चिन्ह भी बदल दिया है। स्वाभाविक ही इस पर राज्य में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सत्तारूढ़ द्रमुक ही नहीं, विपक्षी अन्नाद्रमुक तक ने इस पर विरोध जाताया है। इस पर रवि ने तो अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी

## तमिलनाडु में अवाधित तकरार



राज कुमार सह

देश में राज्यपालों की भूमिका पर विवाद नहीं है, पर तमिलनाडु में जो कुछ हो रहा है, वह बहार के मूल रूप से राज्यपाल के नारी रहे रविंद्र तमिलनाडु के में जिन विवादों रहे हैं, उनसे 5 परिणाम की ही हैं। संविधान पाल के पद की में राष्ट्रपति के संविधान के में की थी, डॉ. विवादों की ब इस पद की ही प्रश्न चिन्ह है। यहां पर भी यह विवाद नहीं था। राज्य सरकार की मानें तो धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण की चर्चा ही थी। अगर तमिल संस्कृति और परंपरा का गुणगान था तो उस पर भी आपत्ति क्यों होनी चाहिए? तमिलनाडु भारत का हिस्सा है और उसकी संस्कृति -परंपरा देश के लिए भी गौरव का विषय होनी चाहिए। द्रविड़ विचारधारा और आंदोलन के उल्लेख भी बचने का क्या औचित्य है? राज्यपाल द्वारा पूरा अभिभाषण न पढ़े, जाने पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विधानसभा में प्रस्ताव रखा कि मूल भाषण को ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए। आश्चर्य नहीं कि वह प्रस्ताव स्वीकृत भी हो गया। उसके विरोध में सदन का बहिष्कार कर राज्यपाल ने क्या संदेश दिया? तमिलनाडु के

जनादिश दे कर सौंपी है, जबकि राष्ट्रपति के संविधान के दोनों संविधान दायरे में अपनी निर्वाह करें तो की गुंजाइश ही कथनी-करनी से बाद तो और भी प्रमुख तमिल के अवसर पर रंपरागत रूप से आले कार्यक्रम के ग पत्र पर उन्होंने तमिलनाडु के बजाय न सिफार या तमिलगम ब्द का उपयोग प्रतीक चिन्ह भी वाभाविक ही इस प्रतिक्रिया हुई है। ही नहीं, विपक्षी ने इस पर विरोध पर रवि ने तो प्रतिक्रिया नहीं दी

## जोशीमह पर किसे कोसे- किसे छोड़े

मठ पर छाए संकट को तत्त्राखण्ड में राजनीतिक बयानबाजी कम होने का ले रही। विपक्ष आरोप है कि प्रदेश की बीजेपी ने जोशीमठ में भू-धंसाव ता से नहीं लिया। पिछले वर्षीने से जोशीमठ के लोग बारों के बढ़ने की शिकायत थी। लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया। अब जब मामला आ तो सत्तारूढ़ बीजेपी, कंग्रेस और बाकी सभी क दलों ने अपने-अपने मंडल जोशीमठ भेजे। राजनीतिक दलों के शीर्ष जोशीमठ जा चुके हैं। पर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष करण मेहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह, गणेश गोदियाल, सबने जोशीमठ जाकर पीड़ित परिवारों से बातचीत करने के साथ उनकी घरों की दारुण स्थिति और पूरे जोशीमठ पर आए संकट को नजदीक से जाना। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जोशीमठ भेजा और खुद भी जाकर स्थिति का आकलन किया। वह इसी विधानसभा से विधायक भी रह चुके हैं, हालांकि पिछले चुनाव में वह हार गए थे। मुख्यमंत्री पष्कर

वह कहते हैं कि उनके न याइम तक वे राज्य सरकारे ने भी प्रत्युत्तर में मर्यादा की लक्षण रेखा पार करने में संकोच नहीं किया, पर तमिलनाडु में जो कुछ हो रहा है, उससे बचा जा सकता था—बचा जाना भी चाहिए। रवि पुलिस से सेवानिवृत्ति के बाद भी कुछ कार्य-दायित्वों में खेरे उतरे हैं, लेकिन तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में वह जो कर रहे हैं, वह अवांछित लगता है। प्रक्रिया और परंपरा के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत अभिभाषण के कुछ अंशों को न पढ़नेवाला तमिलनाडु का पहला राज्यपाल बन जाने से उनकी या पद की गरिमा बढ़ी। तो नहीं। उन अंशों

पास पर उसका राज्यपाल नहीं करते, न ही उन्हें प्रकाशन से पूर्व उसका प्रूफ दिखाया जाता है। इस सफाई के बाद मीडिया ने राजभवन से संपर्क करने का प्रयास किया तो कोई जवाब नहीं मिला—इसका क्या अर्थ निकलता है? आलोचकों का मानना है कि यह सब अनायास नहीं है, बल्कि सुनियोजित है—और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं भाजपा की विचारधारा के अनुसार भी।

राज्यपाल रवि द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्ष्य अधिकारियों से मुलाकात में की गयी टिप्पणियों के आधार पर पर आलोचक ऐसा कह रहे हैं।

हो? आखिर यह रास्ता किधर जाता है भाई? यहाँ सब कुछ बांटा जा रहा है। नेता लोग देश के लोगों को बांटने से लेकर देश की संपदा तक को बांटने में लगे हैं। अपनी जुगत भिड़ाने में लगे नेता वोट की खातिर देश को बेचने में भी गुरेज नहीं करते। देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाले ये नेता लोग आखिर जनता को किस रास्ते पर डालने जा रहे हैं? एक नेता जी फ्री बिजली पानी की घोषणा करते हैं तो दूसरे नेता जी बेरोजगारों को छह हजार रुपए महीने बेरोजगारी भत्ता देने का वादा कर देते हैं। एक साल में किसानों को छह हजार दे रहे हैं तो दूसरे ने महीने में छह हजार का वादा कर रहे हैं। एक अद्वार्द संकेगी? जब वस्तुओं की पूर्ति घटेगी और मांग बढ़ेगी तो महंगाई बढ़ाना अवश्यंभावी है। इसके बावजूद भी लोग काम करने के लिए तैयार नहीं होंगे। क्योंकि उन्हें नेता लोग मुफ्त के खाने की आदत डाल चुके होंगे। फिर कोई नेता उनकी पेंशन, उनका बेरोजगारी भत्ता, उनके राशन पानी से लेकर दैनिक खर्च तक उठाने को तैयार हो जाएगा। यानि देश में अकर्मण्य लोगों की एक ऐसी फौज खड़ी हो जायेगी जो देश की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने में सहायक सिद्ध होगी। दूसरी बात यह समझ नहीं आती कि नेता लोग इतने बड़े बड़े बादे किस आधार पर करते हैं। क्या उनकी स्वयं की आय इतनी है जिससे वे इन वादों को पूरा कर सकें।











# एसी कोच में यात्रियों को मिले बदबूदार कंबल

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 13 जनवरी। एसी कोच में दिए जाने वाले कंबल की बजह से यात्रियों की तबीयत खराब हो गई। मामला खबरनक से वाराणसी सिटी जाने वाले 15000 2023 कृषक एक्सप्रेस का था।

थर्ड एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों ने कंबल से बदबू आने की शिकायत एक-दूसरे से की। रेलवे तक शिकायत पहुंचने के लिए यात्रियों ने कॉर्न अटेंडर को तलाशा। वो नहीं मिला तब टीटोंटी को इस बारे में बताया गया। इसके बाद कंबल बदल गए।

जैसे ही ट्रेन बादशाहनगर स्टेशन पहुंचे, यात्रियों को उल्टाहां पहुंचे। 3 की तबीयत इतनी बिगड़ी की मेडिकल टीम बुलानी पड़ी।

गंदे और बदबूदार बेडरोल को लेकर अक्सर एसी शिकायत आती रहती है। आपके साथ भी ऐसा हो तो भूल से इनरोन करें। कहां और किस शिकायत करना है, यह हम आपको बताते हैं।

एक्सप्रेस हैं- एडवोकेट योगेश भट्टनायर (रेलवे एक्सप्रेस), एडवोकेट चिकित्सा मोहंती और रेलवे पीआरओ सूबेदार।

एसी कोच में मिलने वाले बेडरोल में रेलवे की तरफ से क्या-क्या तात्पुरता है?

हर यात्री की एक तकिया, दो चारों, एक कंबल और एक छोटा तैलिया मिलता है।

रेलवे में बेडरोल की साफ-सफाई को लेकर क्या नियम है?

कंबल हर दो महीने में डाई क्लीन कराया जाएगा। लिनेन की चारों, तकिया कवर और तैलिया हर बार इस्टेमाल के बाद धोए।

## तबीयत बिगड़ी, बुलानी पड़ी डॉक्टरों की टीम, गंदे बेडरोल मिलने पर कहां करें शिकायत

जाएं।

रेल मदद ऐप पर शिकायत करने का क्या तरीका है?

इस ऐप को लॉन्च स्टोर से डाउनलोड करने के बाद आपको की रेलवे तक शिकायत पहुंचाने के लिए यात्रियों ने कॉर्न अटेंडर को तलाशा। वो नहीं मिला तब इस साइन अप करना होगा। फिर अपनी आईडी पासवर्ड के साथ इसे लॉग इन करें।

लॉग इन के बाद विंडो खुलती है। जिसमें ट्रेन की शिकायत, रेलवे की शिकायत, स्टेशन की शिकायत, शिकायत को ड्रैक करना और सुझाव जैसे ट्रैक मिलेंगे।

क्या रेल मदद ऐप से केवल गंदे कंबल, बादर या कोच की ही शिकायत की जाती है?

नहीं, आप शिकायत दर्ज करने के साथ-साथ टिकट बुकिंग, ट्रेन की पूछताली, रिजेशन की पूछताली, रिटायरिंग रूम बुकिंग की जानकारी ले सकते हैं। यह इस तरह कंबल-चादर देना और वो भी साफ देना रेलवे की रिस्पॉन्सिविलिटी है। अगर यह सब सफाई नहीं है तो एक यात्री के पास अधिकार है कि वो कंज्यूमर फॉरम में शिकायत करे।

कंज्यूमर फॉरम में शिकायत दर्ज करने के लिए किन-किन बातों का स्वाल लगाया जाहिए?

खाने में कंकड़ निकले, कोच में क्षारिया न होने की बजह से कॉकरोच और चूहे मौजूद हों, या फिर कंबल-चादर गंदे हों आप सबकी शिकायत कंज्यूमर फॉरम में कर सकते हैं।

सबसे पहले जिस बात की शिकायत करना चाहत है उसकी फॉटो क्रिकल कर लें।

नॉर्मल स्टेशन पर मौजूद खानाकार अपलोड कर सकते हैं।

शिकायत सबमिट करने के बाद इस ऐप पर ही आप उसके दर्ज करना चाहते हैं।

स्टेट्स की जानकारी ड्रैक कंप्लेट में देख सकते हैं।

रेलवे से मिलने वाली सुविधाओं में गड़वाड़ी होने पर क्या कंज्यूमर फॉरम में भी शिकायत कर सकते हैं?

जब आप टिकट खरीदते हैं तब उसे कहते हैं कॉन्सिलरेशन यानी अपने रेलवे की सर्विस अवेल की। रेलवे ने आपसे पैसे लिए। इसका मतलब वो आपका सर्विस प्रोवाइडर है। अब रेलवे की जिम्मेदारी है कि देने के अंदर मौजूद सारी सुविधा सही तरह से कस्टमर यानी अपने यात्री को दें। इस तरह कंबल-चादर देना और वो भी साफ देना रेलवे की रिस्पॉन्सिविलिटी है। अगर यह सब सफाई नहीं है तो एक यात्री के पास अधिकार है कि वो कंज्यूमर फॉरम में शिकायत करे।

कंज्यूमर फॉरम में शिकायत दर्ज करने के लिए किन-किन बातों का स्वाल लगाया जाहिए?

खाने में कंकड़ निकले, कोच में क्षारिया न होने की बजह से कॉकरोच और चूहे मौजूद हों, या फिर कंबल-चादर गंदे हों आप सबकी शिकायत कंज्यूमर फॉरम में कर सकते हैं।

सबसे पहले जिस बात की शिकायत करना चाहत है उसकी फॉटो क्रिकल कर लें।

इसके साथ आगे आपके पास शिकायत से रिलेटेड कोई डायरेंस नहीं है तो उनके फॉटो खींचकर अपलोड कर सकते हैं।

नॉर्मल स्टेशन पर मौजूद खानाकार अपलोड कर सकते हैं।

शिकायत सबमिट करने के बाद इस ऐप पर ही आप उसके दर्ज करना चाहते हैं।

सबसे पहले जिस बात की शिकायत करना चाहत है उसकी फॉटो क्रिकल कर लें।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार एक ड्रैक किया जाएगा। वो जारी हो जाएगा।

रेलवे ने आपसे एक बार







